प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय को डिहलर सहित पर्लर विकसित करने पर मिला पेटेन्ट

पन्तनगर। 28 अक्टूबर 2024। गोविन्द बल्लभ कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पन्तनगर को डिहलर सहित पर्लर विकसित करने के लिए पेटेन्ट प्राप्त हुआ है। इस संयंत्र को विकसित करने में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों क्रमशः डा. नवीन चन्द्र शाही एवं पूर्व वैज्ञानिक डा. अनुपमा सिंह एवं डा. खान चन्द, पोस्ट हार्वेट प्रोसेस एवं फूड इंजीनियरिंग विभाग तथा डा. टी.पी. सिंह, कृषि एवं शक्ति अभियांत्रिकी विभाग एवं छात्र शिवष्शंकर वर्मा, पोस्ट हार्वेट प्रोसेस एवं फूड इंजीनियरिंग विभाग का योगदान रहा है।

उत्तराखण्ड में 88500 हेक्टेयर में लगभग 1.3 लाख मैट्रिक टन मडुवा (रागी) का उत्पादन किया जाता है। मडुवा में विटामिन एवं खनिज पदार्थ प्रचुर मात्रा में होते है लेकिन इसकी वाह्य परत खुरदरे वैक्सी पदार्थ का बना होता हैं जोकि खाने के लिए उपयुक्त नहीं होता है। मडुवा को खाने योग्य बनाने हेतु ऊपरी परत को हटाना अनिवार्य है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए मडुवा के लिए डिहलर सहित पर्लर का विकास किया गया। मडुवा के लिए विकसित डिहलर सहित पर्लर से मडुवा का मूल्यवर्धन किया जा सकता है और उत्तराखण्ड के मडुवा उत्पादक किसानों को इसका उचित लाभ मिल सकेगा। वैज्ञानिकों को इस मशीन को विकसित करने में दो वर्षों का समय लगा जिसके लिए अधिष्ठाता, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं निदेशक शोध की अहम भूमिका रही है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने वैज्ञानिकों को पेटेंट मिलने पर बधाई दी एवं साथ ही डा. जे.पी. मिश्रा सी.ई.ओ., बौद्धिक सम्पदा प्रबन्धन केन्द्र को इस पेंटेट को हासिल करने पर बधाई दी।

(1) डा0 नवीन चन्द्र शाही

(2) डा0 अनुपमा सिंह

(3) डा. खान चन्द

(4) एवं डा. टी.पी. सिंह।